सांध्य दैनिक
4PM

जब मैं इस संसार में बुराई खोजने चला तो मुझे कोई बुरा न मिला। जब मैंने अपने मन में झाँक कर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई नहीं है।
–कबीर दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 163 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 18 जुलाई, 2025

चौथे टेस्ट की तैयारियों में... 7 | बिहार में दलित वोटर बनेंगे... 3 | भाजपा सरकार ने किसानों को... 2

उत्तर प्रदेश के प्रशासन में घुसपैठ कर रहा संघ!

अब राशन की दुकान सस्पेंड कराने के लिये खत लिखने लगे नागपुर से आरएसएस के बड़े पदाधिकारी!

- » हाईकोर्ट ने सरकार को जमकर फटकारा
- » सर कार्यवाह ने आयुक्त खाद्य व रसद विभाग को दिया सीधा आदेश
- » विपक्ष व आमजनों ने सरकारी काम में हस्तक्षेप को गलत बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा की पूरी पार्टी संघ से संचालित होती है ये कोई छुपी बात नहीं पर भाजपा की सरकारें भी संघ मुख्यालय नागपुर से चलाई जाती हैं इसका आरोप विपक्ष द्वारा लगाया जाता रहा है। पर अब देश के सबसे बड़े राज्य यूपी में एक ऐसा मामला आया है जिसमें संघ के सरकार्यवाह ने सीधे प्रदेश की प्रशासनिक मशीनरी को एक राशन के दुकान को निलंबित करने का आदेश दे दिया।

लखनऊ में बैठे बड़े अधिकारियों ने अपने मातहतों को आदेश दिया उसके बाद उस दुकानदार के लाइसेंस को एसडीएम ने निलंबित कर दिया। मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा अदालत ने सरकार को फटकार लगाते हुए निलंबन को गैरकानूनी बताया। अब इस मामले को भाजपा सरकार विपक्ष के साथ आम जनों के निशाने पर आ गई है। विपक्ष ने कहा है कि अभी तक तो विश्वविद्यालयों के कुलपति व अन्य नियुक्तियों में ही संघ का हस्तक्षेप था अब खाद्य वितरण के सबसे बड़े सिस्टम में भी वह घुस रहा है जो लोकतंत्र व भारत के प्रशासनिक व्यवस्था के लिए खतरे का संकेत है।

आरएसएस कार्यालय नागपुर से खाद्य आपूर्ति विभाग के आयुक्त को पहुंचा आदेश

उपरोक्त शिकायत को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) नामक एक संगठन के पदाधिकारी द्वारा खाद्य आपूर्ति विभाग के आयुक्त को नागपुर, महाराष्ट्र से 5.09.2024 के अपने ईमेल के माध्यम से भेजा गया है और याचिकाकर्ता के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए अनुमोदन किया है, जिसमें उसकी उचित मूल्य की दुकान का लाइसेंस रद्द करना भी शामिल है, इसके बाद, अधिकारियों ने उपरोक्त ईमेल को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता के खिलाफ कार्यवाही शुरू की।

आयुक्त
खाद्य एवं रसद विभाग
उत्तर प्रदेश।

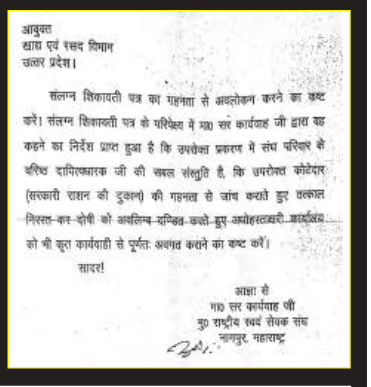

संलग्न शिकायती पत्र का गहनता से अवलोकन करने का कष्ट करें। संलग्न शिकायती पत्र के परिपेक्ष्य में मा0 सर कार्यवाह जी द्वारा यह कहने का निर्देश प्राप्त हुआ है कि उपरोक्त प्रकरण में संघ परिवार के वरिष्ठ दायित्वधारक जी की सबल संस्तुति है, कि उपरोक्त कोटेदार (सरकारी राशन की दुकान) की गहनता से जांच कराते हुए तत्काल ~~निरस्त कर दोषी को अविलम्ब दण्डित करते हुए अधोहस्ताक्षरी कार्यालय~~ को भी कृत कार्यवाही से पूर्णतः अवगत कराने का कष्ट करें।

सादर!

आज्ञा से
मा0 सर कार्यवाह जी
मु0 राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ
नागपुर, महाराष्ट्र

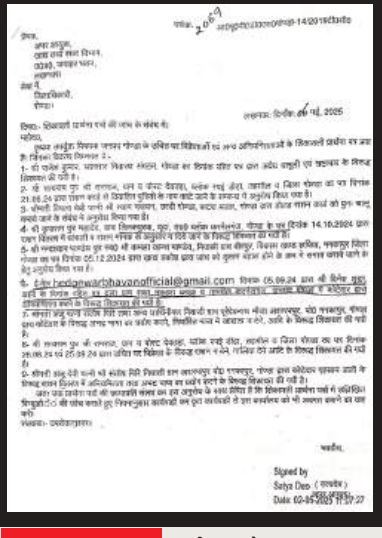

Signed by
Satya Deo
Date: 02-05-2025 11:37:27

अजनबी शिकायतकर्ता के आधार पर की गई कार्यवाही

याचिकाकर्ता की उचित मूल्य की दुकान के खिलाफ शुरू की गई पूरी कार्यवाही के पीछे दिनेश कुमार शुक्ला नामक व्यक्ति द्वारा की गई एक अदिनांकित शिकायत थी, दिलचस्प बात यह है कि वह याचिकाकर्ता की उचित मूल्य की दुकान का कार्डधारक नहीं है और शिकायतकर्ता एक अजनबी है जिसकी शिकायत पर याचिकाकर्ता की उचित मूल्य की दुकान के खिलाफ पूरी कार्यवाही शुरू की गई है। यहां यह उल्लेख करना उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता को पता चला है कि उपरोक्त शिकायतकर्ता द्वारा की गई अदिनांकित शिकायत के आधार पर जांच की गई है और ऊपर उल्लिखित सरकारी आदेश में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना याचिकाकर्ता की उचित मूल्य की दुकान का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

सरकारी आदेश का भी किया उल्लंघन

याचिकर्ता ने आरोप लगाया कि 30.06.2025 के निलंबन आदेश को पारित करते समय, राज्य सरकार द्वारा जारी सरकारी आदेश 05.08.2019 द्वारा उचित मूल्य की दुकान के खिलाफ शिकायत से निपटने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का अधिकारियों द्वारा अक्षरशः पालन नहीं किया गया है।

दुकानदार ने डाली याचिका

यह रिट याचिका विपक्षी पक्ष संख्या 4/उप-मंडल मजिस्ट्रेट, तहसील- कर्नलगंज द्वारा पारित 30.06.2025 के आक्षेपित निलंबन आदेश के विरुद्ध है, जिसमें याचिकाकर्ता का ग्राम पंचायत- नकहरा, तहसील- कर्नलगंज, जिला- बहराइच स्थित उचित दर की दुकान का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था।

याचीकर्ता ने निवेदन किया कि विपक्षीगण का कृत्य कानून की दृष्टि में पूर्णतः अवैध, अन्यायपूर्ण, अनुचित एवं बुरा है तथा न्याय के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस माननीय न्यायालय का हस्तक्षेप अत्यंत आवश्यक है।संलग्न रिट याचिका में उल्लिखित तथ्यों, कारणों और परिस्थितियों के आधार पर, जो शपथ पत्र द्वारा समर्थित हैं, यह न्यायालय विपक्षी पक्षकार संख्या 4/उप-विभागीय मजिस्ट्रेट द्वारा पारित 30.06.2025 के निलंबन आदेश पर रोक लगाने और न्याय के हित में, याचिकाकर्ता की डीलरशिप को बहाल करते हुए, बिना किसी गैरकानूनी बाधा के उचित मूल्य की दुकान चलाने की अनुमति देने की कृपा करे।

संघ पर पहले भी लगते रहे हैं आरोप

राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ आरएसएस पर एक बार फिर आरोपों के घेरे में हैं। यह आरोप कांग्रेस की बयानबाजी नहीं बल्कि पत्र लीक होने के बाद सामने आये हैं। संघ से जुड़े लोगों पर आरोप लगना कोई नई बात नहीं है। संजय जोशी से लेकर इंद्रेश कुमार और सुरेश सोनी से लेकर प्रमोद मुतालिक तक पर गंभीर आरोप लगे हैं। हालांकि किसी भी व्यक्ति पर कोई ठोस सजा नहीं हुई है लेकिन आरोपों के बाद हुई आंतरिक कार्रवाईयां इस बात की तस्दीक करने के लिए काफी है कि आरोपों में दम था। संघ का मूल दर्शन हिंदुत्व, स्वदेशी, सरल जीवन, संगठन प्राथमिकता रहा है वही आज की सत्ताकेन्द्रित भाजपा की जीवनशैली और कार्यशैली से सीधे टकरा रही है। स्वदेशी आंदोलन का समर्थन करने वाला संघ आज कॉर्पोरेट पूंजीवाद की पोषक भाजपा सरकार का नैतिक सहायक बना हुआ है। संघ के वरिष्ठ प्रचारक शराब, पैसे और विलासिता से दूर रहते हैं, वहीं कई भाजपा नेताओं की भव्य जीवनशैली, निजी जेट, करोड़ों की संपत्ति और भ्रष्टाचार के आरोप संघ की मूल आत्मा पर सवाल खड़ा करने के लिए काफी हैं। संघ का आधिकारिक स्टैंड है कि वह सरकार के कामकाज में दखल नहीं देता। लेकिन ट्रांसफर-पोस्टिंग, प्रमुख अधिकारियों की नियुक्ति में दखल है।

विवादों से भी रहा है नाता

संजय जोशी की पहचान संघ के एक प्रभावशाली व्यक्ति के तौर पर है। वह प्रचारक और भाजपा के संगठन महामंत्री रहे हैं। वे संगठनात्मक कुशलता, निष्ठा और सादगी के लिए जाने जाते थे। लेकिन नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो गए। यह माना जाता है कि मोदी की दिल्ली की राजनीति में चढ़ाई के दौरान संजय जोशी को हटाया गया ताकि संगठन पर उनका पूर्ण नियंत्रण हो सके। जोशी के खिलाफ अश्लील सीडी कांड जिसने मीडिया में खूब हलचल मचाई बाद में फर्जी साबित हुआ। इसके बावजूद उन्हें लंबे समय तक पार्टी और संघ की मुख्यधारा से दूर रखा गया।

भाजपा सरकार ने किसानों को संकट में डाला : अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- प्रदेश के जिलों-जिलों में खाद का संकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री खिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर फिर निशाना साधा है। सपा प्रमुख ने कहा है कि भाजपा सरकार ने किसानों के सामने संकट पैदा कर दिया है। किसानों को फसलों के लिए खाद नहीं मिल रही है। खरीफ की फसल विशेष कर धान की रोपाई का सीजन चल रहा है।

किसान को फसलों के लिए डीएपी, यूरिया की जरूरत है लेकिन प्रदेश के जिलों-जिलों में खाद का संकट है। सहकारी समितियों में खाद नहीं है। निजी विक्रेता कालाबाजारी, मुनाफाखोरी और ओवर रेटिंग कर रहे हैं। विभाग और सरकार की लापरवाही और लचर रवैये से किसान मारा-मारा फिर रहा है।अखिलेश यादव ने कहा कि गोंडा, बस्ती, हाथरस, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, समेत तमाम जिलों में खाद का संकट है। किसान परेशान है। भाजपा सरकार जब से सत्ता में आयी है तब से हर साल किसानों को खाद संकट का सामना करना पड़ रहा है। पुरूष किसानों के साथ-साथ महिलाओं को भी खाद के लिए सुबह से ही सहकारी समितियों पर लाइन लगानी पड़ रही है। कई घंटे लाइन में लगने के बाद भी किसानों को खाद नहीं मिलती है।

किसानों से किए गए झूठे वादे

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को लगातार धोखा दे रही है। सरकार ने पूरी स्थिति बदहाल कर दी है। अब तो मंत्री और अधिकारियों के छापों का भी कोई असर नहीं है। किसानों से झूठे वादे किए। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वाली भाजपा सरकार अब किसानों को उनकी फसलों के लिए खाद, बीज, बिजली-पानी कीट नाशक भी नहीं उपलब्ध करा पा रही है। प्रदेश का किसान इस किसान विरोधी सरकार को 2027 के विधानसभा चुनाव में हटाकर किसान हितैषी समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगा।

किसानों का दर्द तब और बढ़ जाता है जब खाद के बजाय उन्हें पुलिस की लाठियां और प्रताड़ना मिलती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जनपद लखीमपुर खीरी के श्रीनगर की बहुउद्देशीय सहकारी समिति संकर भदूरा में 16 जुलाई को किसान खाद लेने के लिए पहुंचे। उनमें बड़ी संख्या में पुरूष व महिलाएं थी। किसानों को खाद नहीं मिली। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। कई लोगों को चोटें आई है। महिलाओं को पीटा और बेइज्जत भी किया गया। भाजपा सरकार में खाद मांगने पर किसान अपमानित किए जा रहे है। यह शर्मनाक, घोर निन्दनीय और अति दुर्भाग्यपूर्ण है। इसी तरह से हाथरस जिले में कई सहकारी समितियों पर डीएपी और यूरिया नहीं है। गोंडा जिले में कई समितियों में सिर्फ कागज पर खाद है। किसान खाद लेने जाते है तो समितियों पर खाद नहीं आगे की तारीख मिलती है।

हिंदू-मुस्लिम से जोड़कर देश-प्रदेश का माहौल खराब कर रहे बाबा : प्रिया सरोज

अखिलेश पर अनिरुद्धाचार्य की टिप्पणी से भड़कीं सपा सांसद, बोलीं-यही सिखाते हैं, अपने प्रवचन में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर । पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और अनिरुद्धाचार्य महाराज के बीच जुबानी विवाद पर जौनपुर की मछलीशहर की सपा सांसद प्रिया सरोज ने एक्स पर पोस्ट कर मामले का गर्मा दिया है।उन्होंने लिखा, जब एक बाबा कृष्ण जी का नाम बताने में असफल हो जाता है तो अपनी छवि सुधारने के लिए वे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का नाम हिंदू-मुस्लिम से जोड़कर देश-प्रदेश का माहौल खराब करते हैं। यही सिखाते हैं, ये अपने प्रवचन में।

उन्होंने अनिरुद्धाचार्य की फोटो भी पोस्ट की है। सांसद के इस ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। कुछ यूजर्स ने इसे सत्य और साहस की आवाज बताया तो कुछ ने इसे संत समाज के खिलाफ बयान करार दिया। सांसद प्रिया सरोज की पोस्ट को राजनीतिक गलियारों में अनिरुद्धाचार्य पर सीधा निशाना माना जा रहा है। उन्होंने पोस्ट में यह भी संकेत दिया है कि धार्मिक मंचों से समाज को बांटने वाली बातें की जा रही हैं, जो भारतीय लोकतंत्र और सांस्कृतिक समरसता के खिलाफ है। उनकी यह पोस्ट ऐसे समय पर आई है, जब अनिरुद्धाचार्य महाराज और अखिलेश यादव के वायरल वीडियो और टिप्पणियों ने राजनीति को गर्मा दिया है।

ये है पूरा मामला

बीते दिनों सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का अनिरुद्धाचार्य महाराज के साथ एक काफी पुराना वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में अखिलेश यादव ने अनिरुद्धाचार्य महाराज से पूछा कि मां यशोदा ने भगवान कृष्ण को सबसे पहले किस नाम से पुकारा था? मतलब, भगवान कृष्ण का पहला नाम पूछते नजर आ रहे हैं। अनिरुद्धाचार्य ने इसका जवाब देते हुए कहा कि भगवान कृष्ण को बहुत सारे नामों से पुकारा जाता था, उनकी मां ने उन्हें पहले कन्हैया कहकर पुकारा था। इस पर अखिलेश ने कहा कि बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं, आगे अखिलेश यादव ने कहा कि बस यहीं आपका और हमारा रास्ता अलग-अलग हो गया। इसके साथ ही अनिरुद्धाचार्य को शूद्र शब्द का इस्तेमाल नही करने की सलाह भी देते दिखाई दिए।

अनिरुद्धाचार्य महाराज ने मामले को मुसलमानों से जोड़ा था

अब मामले पर 16 जुलाई को प्रतिक्रिया देते हुए अनिरुद्धाचार्य महाराज ने इसे मामले को मुसलमानों से जोड़ दिया। उन्होंने पूर्व सीएम अखिलेश का नाम लिए बगैर हमला बोला। उन्होंने प्रवचन के दौरान कहा कि यूपी के एक पूर्व मुख्यमंत्री मेरे से कहते हैं आपका रास्ता अलग और मेरा रास्ता अलग, क्यों, क्योंकि मैंने उनके पूछे गए प्रश्न का उनके मनमुताबिक उत्तर नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैंने वही उत्तर दिया जो सच है। वो मुसलमानों से नहीं कहते कि तुम्हारा रास्ता अलग, हमारा रास्ता अलग, वो मुसलमानों से नहीं कहते हैं कि जो तुम्हारा रास्ता है वही हमारा रास्ता है।

सीएम यादव जनता के पैसों से विदेश घूम रहे हैं : सिंघार

» बोले नेता प्रतिपक्ष- दुनिया दुबई में इन्वेस्ट कर रही है दुबई एमपी में क्यों इन्वेस्ट करेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र मे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सीएम डॉ.मोहन यादव के विदेश दौरे पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व के लोग दुबई में निवेश कर रहे है। मुख्यमंत्री जनता के पैसों से विदेश भ्रमण पर निकले है। दुनिया दुबई में निवेश कर रही है, हास्यास्पद बात है दुबई एमपी में निवेश क्यो करेगा।

वहीं एमपी में खाद की कमी पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब खाद की कमी की बात आती है तब किसान संघ गायब हो जाता है। कृषि मंत्री को बताना चाहिए एमपी में बाहर से कितनी खाद बुलाई। प्रदेश सरकार को इस का भी जबाव देना चाहिए कि एमपी में कालाबाजारी हो रही है या नही?

स्मार्ट मीटर या वसूली मीटर?

नेता प्रतिपक्ष ने स्मार्ट मीटर के ब? बिलों को लेकर कहा कि यह बिजली का मीटर है या वसूली का मीटर? उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर बड़ा घोटाला सामने आ रहा है। क्या इस पूरे खेल के पीछे अडानी समूह की कोई भूमिका है?

कांग्रेस का 2028 चुनाव पर फोकस

मध्य प्रदेश में विधानसभा का चुनाव भले ही अभी काफी दूर है, लेकिन कांग्रेस पार्टी अभी से तैयारियों में जुट गई है। अब मध्य प्रदेश कांग्रेस अपने विधायकों के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाएगी। धार जिले के मांडू में कांग्रेस विधायकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बताया कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की नई सोच को लेकर काम किया जा रहा है। यह शिविर 2028 चुनाव पर फोकस रहेगा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बताया कि कांग्रेस विधायकों का चिंतन शिविर मांडू में रखा गया है। 21 और 22 जुलाई को चिंतन और ट्रेनिंग शिविर का आयोजन होगा। सोशल मीडिया के लिए दिल्ली से सुप्रिया श्रीनेत आ रही है। अजय माकन सहित कांग्रेस के बड़े नेता आ रहे है। राहुल गांधी को भी निमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा कि इस शिविर में 2028 चुनाव पर फोकस होगा।

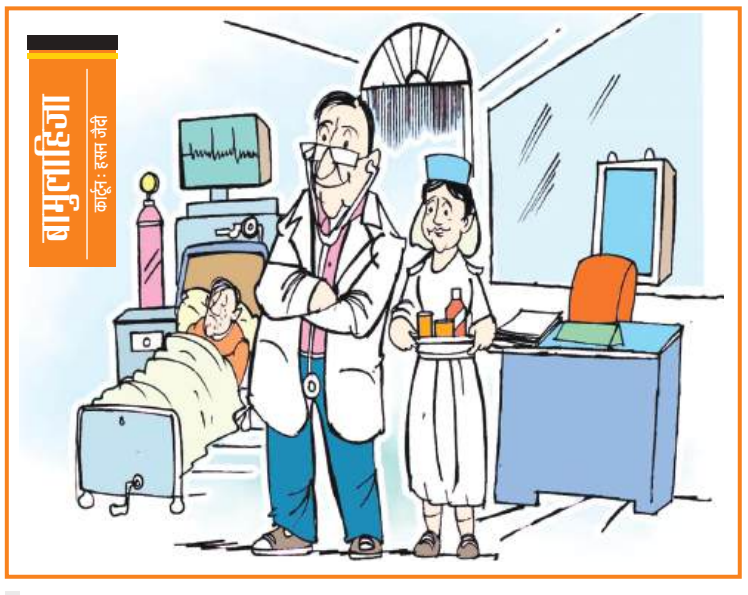

भाजपा सरकार ले रही है जनविरोधी फैसले : चौटाला

» बोले- विपक्ष कमजोर होने का लाभ उठाकी है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला ने कहा कि विपक्ष सत्ता पक्ष के हाथों में खेल रहा है। भूपेंद्र हुड्डा पूर्ण रूप से भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। प्रदेश में आम चर्चा है कि लोग भाजपा को सत्ता से बाहर करना चाहते थे लेकिन भूपेंद्र हुड्डा और उसके बेटे ने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनवा दी। आज कांग्रेस हाशिए पर है।

संगठन बनाने के लिए राहुल गांधी चंडीगढ़ में 30 जून की डेडलाइन देकर आए थे आज 5 जुलाई हो गई। कांग्रेस में जिला के अध्यक्ष बनाने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व को दखल देना पड़ रहा है उसके बाद भी आजतक संगठन नहीं बना है। राहुल गांधी ने स्वयं ये कहा है कि कुछ लोग कांग्रेस में ऐसे हैं जो बीजेपी से मिले हुए हैं।

काम में अड़चन डाली तो प्रधान के पास भेज देंगे: अभय सिंह चौटाला

इनेलो के राष्टी अध्यक्ष अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला को धमकी मिली है। उनके बेटे कर्ण चौटाला और उनके निजी सचिव रमेश गोदारा के मोबाइल नंबर पर धमकी भरी कॉल आई है। वॉइस मैसेज के जरिए धमकी देने वाले कॉलर ने अभय चौटाला के बारे में कहा कि उन्हें समझा लो, वह रास्ते में ना आएं वरना उन्हें भी प्रधान (नफे सिंह राठी) के पास भेज देंगे। कॉलर ने कर्ण चौटाला का नाम लेकर धमकी भरा मैसेज भेजा है। कर्ण चौटाला ने चंडीगढ़ सेक्टर-3 थाना पुलिस को मामले में शिकायत दी है।इनेलो यूथ विंग के राष्ट्रनय प्रभारी कर्ण चौटाला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मंगलवार रात चंडीगढ़ सेक्टर-9 स्थित अपनी कोठी में मौजूद थे। रात 11 बजे यूनाइटेड किंगडम (यूके) के कोड नंबर (04474660616 71) से उनके मोबाइल नंबर पर कॉल आई, जो बगैर बात किए काट दी गई। इसके बाद उनके मोबाइल नंबर पर उसी नंबर से एक वॉइस मैसेज आया। कॉलर ने कर्ण चौटाला का नाम लेते हुए धमकी दी।मीडिया से बातचीत में कर्ण चौटाला ने कहा कि चंडीगढ़ पुलिस की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं, उसके बाद ही आगे का कदम उठाएंगे। हरियाणा की स्थिति क्या होती जा रही है, आज मौजूदा विधायक के परिवार को धमकी मिल रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

सभापति से वेतन विसंगतियों को दूर करने का किया आग्रह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» यूपी कोआपरेटिव बैंक इम्पालाईज एसोशिएसन ने लिखा पत्र

लखनऊ। यूपी कोआपरेटिव बैंक इम्पालाईज एसोशिएसन यूपी ने सरकार से अपनी वेतन विसंगतियों को दूर करने का आग्रह किया है। एसोशिएसन के अध्यक्ष मो. सगीर ने इसके लिए यूपी कोआपरेटिव बैंक के सभापति व प्रबंधक निदेशक को पत्र लिखा है। संघ ने कहा है कि देश के सारे बैंकों में 12वें वेतनमान के हिसाब से सभी कर्मियों को वेतन मिल रहा है, पर कोआपरेटिव बैंक में संघ की बोर्ड की बैठक में लिए फैसले के बाद भी कोई सुनवाई नही हो रही है।

सगीर ने बताया कि बोर्ड की बैठक जो 2-9-24 को हुई थी उसमें निर्णय लिया गया था कि पुनरीक्षण वेतमान व अन्य सुविधाएं 1-7-23 से देय होंगी। इसका अनुमोदन आयुक्त व निबंधक सहकारिता द्वारा भी कर दिया गया। 21-4-25 सब देने का आदेश दिया गया परंतु 1-7-23 से 31-3-25 की अवधि का पुनरीक्षित वेतन व सुविधाओं को देने का निर्णय अचानक रोक दिया गया। कर्मियों के जायज हक को मारा गया। प्रबंध निदेशक पर तानाशाही व धमकाने का भी आरोप लगया है। कर्मियों ने सभपति से अपना वेतन दिलाने की मांग की है।

बिहार में दलित वोटर बनेंगे तारनहार !

- सभी सियासी दलों की उनपर नजर
- चिराग व जीतन का दावा ज्यादा मजबूत
- राजद, जदयू, कांग्रेस व भाजपा भी जुगत में
- दलित वोट बैंक सहेजना कठिन काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इस साल के अंत तक चुनाव होने की संभावना है। सारी पार्टियां अपने-अपने वोटों को सहेजने में लग गई हैं। सभी पार्टियों की नजर राज्य की 20 प्रतिशत दलित आबादी पर है। दलितों के बाद यादव व अन्य पिछड़ा व मुस्लिम वोट भी सियासी दलों के एजेंडे में शामिल हैं। पर सबसे ज्यादा रसाकसी दलित वोट बैंक पर है। जहां चिराग पासवान व जीतन राम मांझी इस वोट बैक को अपनी थाती मानते हैं। जबकि यूपी की बड़ी दलित नेता मायावती व उभरते नेता चंद्रशेखर भी वहां पर चुनाव लड़ने जा रहे है। ऐसे में इस वोट में सेंधमारी के लिए इन दलों के अलावा राजद, भाजपा, जदयू, कांग्रेस समेत कई दल आतुर हैं।

बिहार में दलित वोटों के लिए जंग छिड़ी हुई है। एनडीए और महागठबंधन ने अपना जोर लगा रखा है। हालांकि एनडीए में हम वाले जीतन राम मांझी की पार्टी और लोजपा (रामविलास) वाले चिराग पासवान के बीच टशन देखा जा रहा है. दूसरी ओर मायावती की बसपा जैसी पार्टियां भी हैं, जो दलितों के हितैषी होने का दावा करती ह।. इस बीच बिहार की राजनीति में एक नया मोड़ आया है, भीम आर्मी के प्रमुख और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने विधानसभा चुनावों में उतरने का ऐलान किय। पिछले कुछ वर्षों में चंद्रशेखर एक प्रभावशाली दलित नेता के रूप में उभरे हैं, जिनकी छवि एक आक्रामक, मुखर और संघर्षशील युवा नेता की है। ऐसे में कहा जा रहा है कि उनका ये फैसला दलित राजनीति के भविष्य को प्रभावित कर सकता है।चुनावी महत्व के बावजूद, दलित बिहार में आर्थिक अभाव और सामाजिक असमानताओं में फंसे हुए हैं, जबकि उनका राजनीतिक प्रभाव उप-जातिगत विभाजनों और प्रतिस्पर्धी नेतृत्व के कारण बिखरा हुआ है. सवाल ये है कि क्या चंद्रशेखर इस बिखराव को एकजुटता में बदल पाएंगे!

बिहार में दलित वोटों की संख्या 20 फीसदी

बिहार में दलित वोटों की संख्या 20 फीसदी के आसपास है.। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा रविदास और पासवान समाज का है। कुल दलित वोट में 31 फीसदी रविदास हैं तो 30 फीसदी पासवान या दुसाध हैं, जबकि मुसहर या मांझी करीब 14 फीसदी हैं. बिहार में अनुसूचित जाति के लिए 38 सीट आरक्षित है, जिसमें एनडीए के पास 21 और महागठबंधन के पास 17 सीटें हैं। बिहार में चिराग पासवान या जीतन राम मांझी जो कि मोटे तौर पर दलित राजनीति के सूत्रधार बने हुए हैं। इसके अलावा कुछ जिलों में मायावती की पार्टी (बसपा) का भी प्रभाव है। हालांकि जानकार बताते हैं कि चंद्रशेखर थोड़ी मेहनत करें तो मायावती का विकल्प बन सकते हैं, जैसा प्रयास उन्होंने उत्तर प्रदेश में जारी रखा है।

इंडी गठबंधन का हिस्सा नहीं होगी एआईएमआईएम

अब एआईएमआईएम ने साफ कर दिया कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन का हिस्सा नहीं होगी। उन्होंने कहा, अब एकतरफा प्यार नहीं चलेगा। ओवैसी ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल होने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन वहां से उन्हें ठंडा जवाब मिला। इसके बाद, एआईएमआईएम अब तीसरा मोर्चा बनाने की संभावना तलाश रही है। ओवैसी ने एएनआई से कहा, बिहार के लोगों को यह समझना चाहिए कि हम पर लगाए गए आरोप झूठे थे। वे नहीं चाहते कि गरीब और उत्पीड़ित वर्ग का कोई नेता उभरे। वे बस ऐसे गुलाम चाहते हैं जो सिर झुकाकर उनके पीछे चलें। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम आगामी चुनाव अपने दम पर लड़ेगी और पार्टी के बिहार अध्यक्ष अख्तरुल ईमान द्वारा सुझाए गए तीसरे मोर्चे के विचार का समर्थन करती है।

एआईएमआईएम का सीमांचल क्षेत्र में अच्छा जनाधार

एआईएमआईएम का बिहार के सीमांचल क्षेत्र में अच्छा जनाधार है और पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह इसी क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए चुनाव लड़ेगी। ओवैसी ने चुनाव आयोग की भी आलोचना की। उन्होंने पूछा, आयोग को किसी की नागरिकता तय करने का अधिकार किसने दिया? यह एक संवैधानिक संस्था है, लेकिन आधिकारिक बयान देने के बजाय, सूत्रों के हवाले से खबरें आ रही हैं।उन्होंने यह भी कहा कि एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) वास्तव में पिछले दरवाजे से एनआरसी लागू करने का एक प्रयास है। गौरतलब है कि बिहार में विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने की संभावना है, हालांकि चुनाव आयोग ने अभी तक तारीखों की घोषणा नहीं की है। 243 विधानसभा सीटों में से एनडीए के पास 131 विधायक हैं, जिनमें भाजपा के 80, जदयू के 45, हम (एस) के चार और दो निर्दलीय शामिल हैं। वहीं, विपक्षी दल भारत गठबंधन के पास 111 विधायक हैं, जिनमें राजद के 77, कांग्रेस के 19 और वाम दलों के कुल 15 विधायक शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश से सटे जिलों में बसपा सुप्रीमो मायावती का प्रभाव

बसपा सुप्रीमो मायावती का प्रभाव सीमित तौर पर रहता है, खासकर उन इलाकों में जो उत्तर प्रदेश से सटे हुए हैं, जैसे बिहार के कैमूर , बक्सर और रोहतास जिलों के कुछ विधानसभा क्षेत्रों जैसे चैनपुर, मोहनिया, रामपुर, भभुआ, बक्सर जैसी सीटों पर बीएसपी का असर रहा है. भले ही बीएसपी ने बहुत सीटें न जीती हों, लेकिन कई जगहों पर हार-जीत में उसकी भूमिका निर्णायक रही है। लगभग हर चुनाव में मायावती की बहुजन समाज पार्टी अपने उम्मीदवार उतारती है और 4 से 5 उम्मीदवार जीत भी जाते हैं। ये अलग बात है कि बाद में उन्हें बड़ी पार्टियां हाईजैक कर लेती है. अब चंद्रशेखर आजाद, इसी जगह पर कब्जा करने के लिए बिहार में उतर रहे हैं।

बसपा की स्थिति 2020 से बहुत अलग

बीएसपी ने साफ कहा है कि वह ना एनडीए में जाएगी, ना इंडिया गठबंधन में, वह अकेले चुनाव लड़ेगी। इस ऐलान से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के थर्ड फ्रंट बनाने की पहल को बड़ा झटका लगा है. 2020 के विधानसभा चुनाव में मायावती की बीएसपी ने ओवैसी की एआईएमआईएम और अन्य छोटे दलों के साथ मिलकर ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेक्युलर फ्रंट के बैनर तले चुनाव लड़ा था। इस फ्रंट में उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएसपी, ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा, संजय चौहान की जनवादी पार्टी और एसजेडीडी शामिल थीं, लेकिन नतीजे निराशाजनक रहे।ओवैसी की पार्टी को जहां 5 सीटें मिलीं, वहीं बीएसपी महज एक सीट पर सिमट गई. अन्य दल खाता तक नहीं खोल पाए. मायावती के एकमात्र विधायक जमा खान जेडीयू के हो लिए, जबकि ओवैसी के 5 में से 4 विधायक उन्हें छोड़ गए। आज एआईएमआईएम के पास सिर्फ एक विधायक अख्तरूल ईमान बचे हैं, जो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं, जो कि अभी भी प्रयासों में लगे हुए हैं।

चुनाव से पहले नीतीश का फ्री वाला दांव

चुनाव से पहले नीतीश का फ्री वाला दांव चल दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 125 यूनिट तक मुफ़्त बिजली देने की घोषणा की। यह घोषणा इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले की गई है। यह राज्य में इस तरह का पहला और चुनावों से पहले की गई रियायतों की श्रृंखला में नवीनतम कदम है। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि हमलोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त, 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। सीएम ने आगे लिखा कि इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ

होगा। हमने यह भी तय किया है कि अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुटीर ज्योति योजना के तहत जो अत्यंत निर्धन परिवार होंगे उनके लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने हेतु पूरा खर्च राज्य सरकार करेगी तथा शेष के लिए भी सरकार उचित सहयोग करेगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली का 125 यूनिट तक कोई खर्च नहीं लगेगा, साथ ही साथ राज्य में अगले तीन वर्षों में एक अनुमान के अनुसार 10 हजार मेगावाट तक सौर ऊर्जा उपलब्ध हो जाएगी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस ऐलान को लेकर कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 125 यूनिट तक मुफ़्त बिजली देने की घोषणा की है। इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ मिलेगा...अगले तीन वर्षों में लाभ प्रदान करने के लिए छतों या आस-पास के सार्वजनिक स्थानों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कुटीर ज्योति योजना के तहत, अत्यंत गरीब परिवारों के लिए, राज्य सरकार सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का पूरा खर्च वहन करेगी, और बाकी के लिए, सरकार उचित सहायता प्रदान करेगी।

कांग्रेस, जेडीयू, आरजेडी को चुनौती दे सकते हैं चंद्रशेखर

चंद्रशेखर, परंपरागत दलों को भी चुनौती दे सकते हैं. जैसे जेडीयू, आरजेडी और कांग्रेस जैसी पार्टियां, जो अब तक दलित वोट बैंक को अपने-अपने तरीके से साधती रही हैं, उनके लिए वो एक चुनौती बन सकते हैं. खासकर अगर वे दलित-मुस्लिम एकता के फॉर्मूले पर काम करें तो सामाजिक समीकरणों में बदलाव संभव है। दलित एक महत्वपूर्ण चुनावी फैक्टर है और ये बिहार की 15 लोकसभा क्षेत्रों की कई विधानसभा सीटों को प्रभावित करते हैं. अगर चंद्रशेखर इन सीटों पर दलित वोटों को एकजुट नहीं कर पाए तो भी ये तो निश्चित है कि चुनाव में दलित वोटों का बिखराव होगा. इससे एक संभावना ये भी है कि भाजपा जैसे संगठित दलों को अप्रत्यक्ष लाभ भी हो सकता है।

मांझी, पासवान, मायावती के बीच चंद्रशेखर की भूमिका

बिहार में दलित राजनीति अब तक रामविलास पासवान और जीतन राम मांझी जैसे नेताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन अब रामविलास पासवान नहीं रहे और लोजपा में टूट हो चुकी है. वहीं, मांझी की भूमिका सीमित होती जा रही है। इस परिस्थिति में चंद्रशेखर की एंट्री एक वैकल्पिक नेतृत्व का संकेत देती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जिम्मेदारों का गैरजिम्मेदाराना बयान व हरकत अक्षम्य

जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को यह सोचना चाहिए कि इस तरह के बयान देकर वह लोगों की भावनाओं को भी चोट पहुंचा रहे हैं। बिहार के एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने कहा है कि राज्य में हाल ही में हुई हत्याओं का कारण अप्रैल से जून तक किसानों के पास कोई काम नहीं होना है। उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम खत्म होते ही किसान अपने काम में व्यस्त हो जाएँगे और ये घटनाएँ कम हो जाएँगी।

बिहार में कुछ महीनों में अपराधों की जैसे बाढ़ सी आ गई है। विपक्षी नेता नीतीश सरकार को घेरने में लग गए हैं। इसबीच पुलिस के कामकाज पर भी सवाल उठने लगें हैं। उधर राज्य के एडीजी ने एक ऐसा बयान दे दिया है जो काफी शर्मनाक हैं। उन्होंने इन अपराधों के लिए किसानों को जिम्मेदार ठहरा दिया है। उनके इस बयान की चारो ओरे कड़ी निंदा हो रही है। देखा भी जाए तो यह वाकई गलत बयानबाजी है। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को यह सोचना चाहिए कि इस तरह के बयान देकर वह लोगों की भावनाओं को भी चोट पहुंचा रहे हैं। बिहार के एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने कहा है कि राज्य में हाल ही में हुई हत्याओं का कारण अप्रैल से जून तक किसानों के पास कोई काम नहीं होना है। उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम खत्म होते ही किसान अपने काम में व्यस्त हो जाएँगे और ये घटनाएँ कम हो जाएँगी। यह बयान गुरुवार को बिहार में हुई गोलीबारी की एक और घटना के बाद सामने आई है, जब बंदूकधारियों ने एक निजी अस्पताल के अंदर पैरोल पर बाहर आए एक अपराधी की गोली मारकर हत्या कर दी।

हाल ही में, पूरे बिहार में कई हत्याएँ हुई हैं। ज़्यादातर हत्याएँ अप्रैल, मई और जून के महीनों में होती हैं। यह सिलसिला बारिश आने तक जारी रहता है, क्योंकि ज़्यादातर किसानों के पास काम नहीं होता। उन्होंने आगे कहा कि बारिश के बाद, किसान समुदाय के लोग व्यस्त हो जाते हैं और घटनाएँ कम हो जाती हैं। इसलिए हमने इस महीने एक नया प्रकोष्ठ बनाया है। उस प्रकोष्ठ का काम सभी पूर्व शूटरों, सुपारी हत्यारों का डेटाबेस तैयार करना और उन पर नज़र रखना होगा। उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारतीय किसान संघ के मंडल उपाध्यक्ष प्रवीण सिंह ने कहा कि मई और जून किसानों के लिए सबसे व्यस्त महीने होते हैं। एक तरफ वे बागों की देखभाल करते हैं, तो दूसरी तरफ धान की बुवाई शुरू हो जाती है। इस दौरान किसान हमेशा अपने काम में व्यस्त रहते हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, पीड़ित की पहचान बक्सर के सोनबरसा ब्लॉक निवासी चंदन मिश्रा के रूप में हुई है, जो पैरोल पर रहते हुए अस्पताल में इलाज करा रहा था। मिश्रा, जिनके खिलाफ हत्या सहित दस आपराधिक मामले दर्ज हैं, 2024 से जेल में थे और इलाज के लिए पारस अस्पताल में भर्ती थे। बिहार में कानून का कोई डर नहीं दिखाने वाली एक घटना में, लगभग चार हथियारबंद लोग मोटरसाइकिल पर आए, अस्पताल की दूसरी मंजिल पर कमरा नंबर 209 में घुस गए और चंदन मिश्रा पर गोलियां चला दीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सीने और पेट में चोटें आईं। अब आगे देखना होगा आगे सरकार एडीजी के बयान को लेकर क्या कदम उठाती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समाज के विश्वास व पीड़ित की आशा का कानून

डॉ. सुमिता मिश्रा

धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के नाम से विख्यात हरियाणा ने एक बार फिर देश की न्याय व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन का सूत्रपात किया है। भारतीय न्याय प्रणाली की जड़ें महाभारत और मौर्यकाल जैसी सभ्यताओं में गहराई तक जमी रही। जहां नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और न्याय की सर्वोच्चता सदैव अक्षुण्ण रही। इसी परंपरा को अक्षुण्ण रखते हुए, हरियाणा ने 1 जुलाई 2024 से प्रभावी हुए तीन नए आपराधिक कानूनों—भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम- के सफल और प्रभावी क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री व केंद्रीय गृहमंत्री के नेतृत्व में यह परिवर्तन केवल विधियों में संशोधन नहीं, बल्कि न्याय-प्रणाली को औपनिवेशिक सोच से मुक्त कर संस्कृति, संवेदना और समसामयिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने का एक क्रांतिकारी कदम है।

दरअसल, इन नए कानूनों में भीड़ हिंसा, उन्नत तकनीकी अपराध तथा महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों पर विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा ने इन कानूनों को जमीनी स्तर पर लागू करने हेतु ठोस तैयारी की। राज्य के सभी जिलों में पुलिस अधिकारियों, लोक अभियोजकों और न्यायिक अधिकारियों को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जांच अधिकारियों को आधार प्रमाणीकरण, त्वरित दस्तावेजीकरण और वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियों से सुसज्जित किया गया। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 346 के अंतर्गत अब गंभीर अपराधों की सुनवाई प्रतिदिन करना अनिवार्य है। इससे न्याय प्रक्रिया में विलंब कम हुआ है। 'चिह्नित अपराध' योजना के अंतर्गत 1,683 जघन्य अपराधों की निगरानी उच्चतम स्तर पर हुई जिनमें फरीदाबाद, डबवाली और करनाल जैसे जिलों में दोषसिद्धि 95 प्रतिशत से भी अधिक रही है। हरियाणा ने न्याय प्रणाली में तकनीकी नवाचारों को भी पूर्णत: अपनाया है। वाहन चोरी जैसे मामलों में स्वत: प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीकरण, आधार सत्यापित बयानों की रिकॉर्डिंग और मेडलीपर प्रणाली के माध्यम से चिकित्सा परीक्षण और शव परीक्षण की रिपोर्टिंग को समयबद्ध किया गया।

इसके परिणामस्वरूप 90 प्रतिशत से अधिक मामलों का निपटारा एक सप्ताह के भीतर हुआ। ट्रैकिया प्रणाली के माध्यम से फॉरेंसिक प्रमाणों की जांच

और लेखा-जोखा पूरी तरह पारदर्शी और उत्तरदायी बना है। फरवरी 2025 में राज्य सरकार द्वारा लागू हरियाणा गवाह संरक्षण योजना के तहत गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उन्हें विभिन्न स्तरों में वर्गीकृत किया गया है, और उन्हें खतरे के अनुसार विशेष सुरक्षा प्रदान की गई। महिलाओं-बच्चों के विरुद्ध अपराधों के त्वरित निपटान हेतु गुरुग्राम, फरीदाबाद और पंचकूला में विशेष त्वरित न्यायालय कार्यरत हैं। चिन्हित अपराधों के तहत मामलों की निगरानी से दोषसिद्धि दर में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अप्रैल 2025 तक 1,764 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें दोषसिद्धि दर 77.15 प्रतिशत रही। वर्ष 2024 में जुलाई से दिसंबर तक यह दर 89 प्रतिशत तक रही। उल्लेखनीय मामलों में शीघ्र निर्णय हुए हैं। यमुनानगर जिले में एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म व हत्या के मामले में 140 दिनों में मृत्युदंड दिया गया। इसी प्रकार गुरुग्राम और पानीपत के मामलों में मात्र 2 से 3 महीनों में निर्णय हो गया। अब न्याय में देरी की परंपरा समाप्त हो रही है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 356 के अंतर्गत अब ऐसे आरोपियों के विरुद्ध भी सुनवाई संभव है जो न्यायालय से अनुपस्थित हैं। हरियाणा में ऐसे 193 मामलों की पहचान की गई है, और चार मामलों में न्यायालयों ने अनुपस्थित आरोपियों के विरुद्ध निर्णय भी दिए हैं। हरियाणा ने विचाराधीन बंदियों की पेशी के लिए वीडियो कान्फ्रेंसिंग को भी अपनाया है। अब 78 प्रतिशत से अधिक पेशियां इसी माध्यम से की जा रही हैं, जिससे सुरक्षा और व्यय दोनों में लाभ हुआ है। राज्य में 2,117 स्थानों को गवाह गवाही केन्द्र के रूप में अधिसूचित किया गया है, जहां गवाह अपनी गवाही ऑडियो/वीडियो माध्यम से दे सकते हैं।

प्रत्येक जिले में महिलाओं और संवेदनशील गवाहों के लिए पृथक कक्ष भी स्थापित किए गए हैं। निस्संदेह, यदि राजनैतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक प्रतिबद्धता और तकनीकी नवाचार का सही समन्वय हो तो न्याय व्यवस्था को जनपक्षीय, त्वरित और पारदर्शी बनाया जा सकता है। न्याय अब केवल कानून का विषय नहीं रहा, बल्कि यह अब समाज के विश्वास, पीड़ित की आशा और अपराधी के लिए दंड की गारंटी बन चुका है। हरियाणा अब इस न्यायिक नवजागरण का अग्रदूत बनकर देश को दिशा दे रहा है।

साझा संस्कृति के नाम पर साम्राज्यवादी अतीत की नुमाइश

श्याम भाटिया

ऐसे में जब भारत के साथ बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और इसके लिए वहां पहुंचने जा रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वागत के लिए ब्रिटेन लाल कालीन बिछाने की तैयारी में लगा है, ठीक इस दौरान वह औपनिवेशिक शासन के दौरान भारत से ले जाई गई कलाकृतियों से भरे एक संग्रहालय को वित्तीय मदद देने के लिए चुपचाप सालाना 730 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर रहा है। ब्रिटिश संग्रहालय - जहां हजारों मूर्तियां, पांडुलिपियां, सिक्के और यहां तक कि मानव अवशेष रखे हुए हैं- वहां पर 'प्राचीन भारत, जीवंत परंपराएं' नामक नई प्रदर्शनी को साझा संस्कृति का उत्सव मनाने के नाम पर पेश किया गया है। लेकिन धूपबत्ती की खुशबू और मद्धिम रोशनी के पीछे कहीं ज्यादा परेशान करने वाली सच्चाई छिपी है, यह सांस्कृतिक कूटनीति नहीं है।

यह तो सरकारी खर्च पर अपने राजपाट के पुराने वैभव की यादगार है। ब्रिटिश सरकार ने 2023-24 में, संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग के जरिए संग्रहालय को 70.1 मिलियन पाउंड यानि 730 करोड़ रुपये जारी किए- जोकि इसके वार्षिक परिचालन बजट का लगभग आधा है। करदाताओं की कमाई के उदारतापूर्ण लाभार्थियों में संग्रहालय की नवीनतम प्रस्तुति है 'प्राचीन भारत, जीवंत परंपराएं', एक प्रदर्शनी जो आगंतुकों को 'दर्शन' करने के लिए आमंत्रित करती है- नारा दिया है: 'दिव्यता से परिपूर्ण होने के लिए दिव्य दर्शन'। लेकिन जो प्रदर्शित किया जा रहा है वह आध्यात्मिकता नहीं । यह विगत में साम्राज्य के वैभव का प्रदर्शन है, जिसका वित्तपोषण ब्रिटिश नागरिकों के करों से किया गया और इन कलाकृतियों को पाने के पीछे अपनाई गई क्रूरता अथवा लूट को छिपाने के लिए सावधानीपूर्वक बुने शब्दजाल का मुलम्मा चढ़ाकर 'पवित्रता' का अहसास बनाया जा रहा है। सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम यूके (एफओआई) के तहत जारी दस्तावेजों के अनुसार संग्रहालय में 38,000 से अधिक दक्षिण एशियाई कलाकृतियां हैं, जिनमें बहुतेरी औपनिवेशिक शासन के दौरान लाई गई।

अधिकांश अभी भी भंडार गृहों में बंद हैं। उपरोक्त प्रदर्शनी में 178 कलाकृतियां प्रदर्शित की हैं और इन्हें स्थापित करने में 839,000 पाउंड (8.7 करोड़ रुपये) की लागत आई है। संग्रहालय के रिकॉर्ड बताते हैं कि 2024-25 में 12.7 मिलियन पाउंड (132 करोड़ रुपये) 307 सुरक्षा एवं आगंतुक सेवा कर्मचारी नियुक्त करने में खर्च आए- जो इस प्रदर्शनी के बजट का लगभग पंद्रह गुना है। मानो पारदर्शिता या वापसी से ज्यादा अहम है शाही लूट की सुरक्षा। बहुत कम आगंतुक इस संस्थान की गहरी नींव की समझ रखते हैं। जब 1753 में ब्रिटिश संग्रहालय खुला, तो इसकी शुरुआत सर हैंस स्लोएन के निजी संग्रह की कलाकृतियों से हुई थी, जिनकी संपत्ति का एक हिस्सा जमैका के गन्ना खेतों में गुलाम अफ्रीकी श्रमिकों की कड़ी मेहनत से पाया था। साल 1834 में ब्रिटेन द्वारा दास प्रथा समाप्ति के बाद, इनमें से कई गन्ना फार्मों का काम बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से अनुबंधों पर लाए गए भारतीय मजदूरों को कैरिबियन पार पहुंचाकर जारी रखा गया, जहां पर उन्हें मामूली मजदूरी पर बरसों कठोर श्रम करना पड़ा।

संग्रहालय के कक्ष औपनिवेशिक वस्तुओं से भरे पड़े हैं। एक प्रसिद्ध मुगल लघुचित्र में राजकुमार खुर्रम - जो बाद में सम्राट शाहजहां बने - को सोने में तोला जा रहा है। कुषाण, गुप्त और मुगल काल के प्राचीन भारतीय सोने के सिक्कों पर लक्ष्मी, अश्वमेध यज्ञ और शाही अनुष्ठानों के दृश्य अंकित हैं। कभी किसी की भेंट या खजाना रहे ये सिक्के अब ब्लूम्सबरी में शीशे के पीछे रखे हुए हैं - विजय ट्राफी में बदल दिए गए हैं श्रद्धा-अवशेष। फिर भी यह संस्थान फल-फूल रहा है - प्रवेश शुल्क की कमाई से नहीं, बल्कि सरकारी वित्तपोषण से। इसके निदेशक, डॉ. निकोलस कलिनन, जिन्हें 2024 में नियुक्त किया गया था, उन्हें 215,841 पाउंड (2.26 करोड़ रुपये) के विज्ञापित वेतन पर नियुक्त किया गया है। ब्रिटिश संग्रहालय में 110 क्यूरेटर और प्रोजेक्ट क्यूरेटर कार्यरत हैं, जिनका औसत वार्षिक वेतन 39,508 पाउंड (41 लाख रुपये) है। इन पेशेवरों का काम दुभाषिए के रूप में इन वस्तुओं का इतिहास बताना भी है - जो बताने से ज्यादा छिपाने का है - जिसे यहां वैश्विक धरोहर का नाम दे रखा है। प्रदर्शनी बनाने के हिस्से तौर पर, एक सामुदायिक सलाहकार पैनल का गठन किया गया था - जिसमें हिंदू, जैन और बौद्ध अनुयायी शामिल थे - और उन्हें उनके इस सांस्कृतिक योगदान के लिए अघोषित मानदेय दिया गया। लेकिन उनसे इनकी वापसी या विवादित स्वामित्व के बारे में बात करने की मनाही थी।

ज्यादा परेशान करने वाली बात है संग्रहालय में करीब 6,000 मानव अवशेषों के संग्रह को लेकर चुप्पी, जिनमें कुछ अवशेष दक्षिण एशिया से भी हैं - खोपड़ियां, हड्डियां और अनुष्ठानिक चीजें। ये अवशेष संग्रहालय के नीतिगत दस्तावेजों में सूचीबद्ध हैं, फिर भी इन्हें 'जीवित परंपराओं' की खोज का दावा करने वाली इस प्रदर्शनी से बाहर रखा गया है। इस साल की शुरुआत में, नगालैंड के आदिवासी प्रतिनिधि ब्रिटिश शासन के दौरान लाए गए अपने पूर्वजों के अवशेषों की वापसी की मांग को लेकर ब्रिटेन आए थे। उनकी यह मांग विश्व के बाकी ब्रिटिश औपनिवेशिक देशों से लगातार बढ़ रही इस किस्म की दावेदारी का हिस्सा थी, जो इनकी लूट की नैतिक स्वीकृति और भौतिक वापसी करना, दोनों, चाहते हैं। यूरोपीय देश इस दिशा में कदम उठाने लगे हैं जर्मनी से नाइजीरिया को, फ्रांस से बेनिन एवं सेनेगल को, नीदरलैंड से श्रीलंका और इंडोनेशिया को वहां से लाई गई वस्तुएं लौटाई जा रही हैं।

इन जगहों पर घूमने से मिलेगा सुकून और फुल एडवेंचर

बरसात उमस भरी गर्मी से राहत ही नहीं पहुंचाती, बल्कि प्रकृति की खूबसूरती को कई गुणा बढ़ा देती है। बारिश की बूंदे जब धरती की हरियाली पर पड़ती हैं तो भारत की कई जगहें जन्नत जैसी लगने लगती हैं। जुलाई का महीना सफर के शौकीन लोगों के लिए खास होता है। यह महीना मानसून का होता है, जिसमें बरसात की हल्की फुंहार आपको भिगा भी सकती हैं और गर्मी से कुछ राहत भी दिला सकती हैं। गर्मी के कारण अब तक कहीं घूमने नहीं जा पाए हैं तो मानसून में सफर की योजना बना सकते हैं। अगर जुलाई के महीने में किसी ऐसी जगह पर जाना चाहते हैं जहां खूबसूरत नजारे, ठंडी हवा, एडवेंचर और सुकून भरी छुट्टियां मिल सकें तो आप इन जगहों पर जा सकते हैं। यहां आपकी सफर को लेकर सभी इच्छाएं यानी खूबसूरत नजारे, ठंडा मौसम, एडवेंचर और सुकून सब एक साथ मिल जाएगा और पैसा भी व्यर्थ नहीं जाएगा।

चेरापूंजी, मेघालय

भारत की सबसे ज्यादा बारिश वाली जगहों में से एक चेरापूंजी की खूबसूरती जुलाई में अपने चरम पर होती है। मेघालय के इस खूबसूरत स्थल पर बारिश भी अद्भुत बन जाती है। यहां के लिविंग रूट ब्रिज, गुफाएं और झरने सफर में रोमांच भर देते हैं। चेरापुंजी के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में नोहकलिकाई झरना और उमशियांग रूट ब्रिज शामिल है, जहां यात्रा के दौरान जरूर जाए और बारिश में जीवंत जंगल के बीच ट्रेकिंग का अनुभव भी प्राप्त करें।

माउंट आबू, राजस्थान

रेगिस्तान में हरियाली का जादू देखना चाहते हैं तो राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू जाएं। जुलाई के महीने में माउंट आबू की हरियाली और ठंडा मौसम इसे काफी आकर्षक और पर्यटकों की पसंदीदा जगह बना देता है। यहां नक्की झील में नौकाविहार का लुत्फ उठाएं। गुरु शिखर से आश्चर्यजनक नजारे देखें और दिलवाड़ा मंदिरों की सुंदरता को निहारें। माउंट आबू आपको ट्रेकिंग, बोटिंग और फोटोग्राफी की बेहतरीन मौका देता है। शाम के वक्त यहां झील किनारे बैठकर आप मानसून के आनंद का अनुभव ले सकते हैं।

स्पीति वैली

जुलाई में जब बर्फ पिघल चुकी होती है, तब हिमाचल प्रदेश की स्पीति वैली एक नए रूप में दिखती है। यहां की लामा संस्कृति, मठ और रोड ट्रिप एडवेंचर से भरपूर हैं। शांति, रोमांच और सुकून पाने की इच्छा है तो जुलाई में स्पीति वैली घूमने आएं। स्पीति वैली में मठ और चंद्रताल झील कैंपिंग काफी लोकप्रिय है। आप मोटरसाइकिल ट्रिप या एसयूवी से घाटियों में ड्राइव पर जा सकते हैं।

वायनाड, केरल

मानसून का सुंदर नजारा हरियाली के बीच ज्यादा देखने को मिलता है। हरी-भरी मसालों की घाटी की सैर के लिए केरल के वायनाड की यात्रा पर जाएं। केरल की यह जगह मानसून में एक सपनों की दुनिया जैसी लगती है। वायनाड की कॉफी एस्टेट्स, वॉटरफॉल्स और ट्रेक्स मानसून को जादुई बना देते हैं। यहां घूमने के लिए कई शानदार जगहे हैं, जैसे एडक्कल गुफाएं और मीनमुट्टी वॉटरफॉल। कॉफी बागानों में बारिश का आनंद फुल पैसा वसूल अनुभव दे सकता है।

हंसना मना है

2 दोस्त सालों के बाद मिले, पता चला दोनों कि शादी हो गयी, पहला दोस्त: कैसी है तुम्हारी वाईफ? दूसरा दोस्त: स्वर्ग की अप्सरा है, और तेरी? पहला दोस्त: मेरी तो अभी जिंदा है!

टीचर: इतने दिन से कहा थे? लड़का: बर्ड फ्लू हुआ था, टीचर: पर ये तो बर्ड्स को होता है? लड़का: आपने मुझे इंसान समझा ही कहां है, रोज तो मुर्गा बना देती हो।

एक बार भगवान ने एक आदमी से सवाल किया- तेरी इच्छा क्या है, आदमी बोला- प्लीज मुझे मेरे कॉलेज के दिन वापस दे दो। भगवान हसने लगे और कहा, मन्नत मांगने को कहा था जन्नत नहीं!

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

जिन्दगी की बात करते हो, यहां तो मौत भी हमसे खफा है, हम ताज क्यों बनाए, अपनी तो मुमताज ही बेवफा है।

डॉक्टर: अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज: जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

कहानी | अपनी कीमत को कम ना समझे

एक बार एक प्रसिद्ध वक्ता किसी शहर में आये हुए थे, और सैंकड़ों लोग उस वक्ता को सुनने आये थे, वक्ता अपने दर्शकों के सामने एक 20 डॉलर मूल्य का नोट अपने हाथ में लिए हुए थे। उसने उस 20 डॉलर के नोट को सभी को दिखाते हुए सभी से पूछा- कौन कौन इस नोट को पाना चाहता है? वहां बैठे लगभग सभी दर्शकों ने हां में जवाब दिया। उस वक्ता ने कहा मैं आप में से एक को यह नोट दूंगा, ऐसा कह कर उसने उस नोट को मरोड़ दिया। उसने पूछा- अब कौन इसे अभी भी पाना चाहेगा? अभी भी लगभग सभी के हाथ खड़े थे। उसने फिर उस नोट को लेकर अपने जूतों से अच्छे से रगड़ दिया और फिर और मरोड़ भी दिया। उसने उस नोट को उठाया और दोबारा उसको भीड़ के समक्ष दिखा कर दोबारा पूछा- अब कौन कौन इस नोट को अभी भी पाना चाहता है, क्योंकि अब की बार यह गन्दा और मरोड़ा हुआ था। अभी भी लगभग सभी दर्शकों ने अपने हाथ खड़े किये। यह देख कर वक्ता ने भीड़ को सम्बोद्धित करते हुए कहा की मैंने इस नोट के साथ जाने क्या क्या किया लेकिन फिर भी आप सब इसे पाना चाहते हो, क्योंकि लाख मरोड़ने पर भी इसके मूल्य में परिवर्तन नही आया, अभी भी इसकी कीमत 20 डॉलर की है। इसलिए इसे इतना मोड़ने व गन्दा करने से कोई फर्क नहीं पड़ा।

कहानी से शिक्षा- अधिकतर हमारी जिंदगी भी हमें ऐसे ही मरोड़ और परेशानियां देकर धूल मिट्टी में गन्दा कर देती है, और इस कारण हम अपने आपको कम आंक लेते है, इससे कोई फर्क नही पड़ता, क्या हुआ और क्या होगा, केवल जरुरत है की हम अपनी कीमत को ना भूले और आगे बढ़ें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी। लाभ में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। विवेक का प्रयोग करें।

वृषभ

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन

व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। जोखिम न लें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी।

सिंह

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

कन्या

नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला

विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक

प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु

जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें।

कुम्भ

घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मीन

हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। फालतू खर्च होगा। अकारण क्रोध होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति से भरपूर सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' लेकर आ रहे प्रतीक गांधी

बॉलीवुड | मसाला

हंसल मेहता के शो 'स्कैम' से अपने अभिनय की छाप छोड़ने वाले अभिनेता प्रतीक गांधी अब एक नई सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस बार प्रतीक गांधी देश की रक्षा करते हुए नजर आएंगे। उनकी नई सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' एक स्पाई-थ्रिलर है। सीरीज की रिलीज डेट का अनाउंस कर दिया गया है।

इस अनाउंसमेंट वीडियो में प्रतीक गांधी एक जासूस के किरदार में नजर आ रहे हैं। वो कोई खुफिया जानकारी सुनते और उसे डिकोड करते दिख रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में प्रतीक कहते हैं कि 'एक स्पाई के लिए एक छोटी जानकारी भी बहुत जरूरी होती है।' इसके बाद प्रतीक एक जासूस के लिए क्या-क्या जरूरी होता है और वो किन-किन बातों का ख्याल रखता है, उसके बारे में बताते हैं। वीडियो के अंत में एक कोड को डिकोड करते हुए सीरीज की रिलीज डेट सामने आती है, जिससे पता चलता है कि 'सारे जहां से अच्छा' 13 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

सीरीज की कहानी 1970 के दशक की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें जासूसी, बलिदान और देश के प्रति कर्तव्य की कहानी को दिखाया जाएगा। सीरीज में प्रतीक गांधी इंटेलिजेंस ऑफिसर विष्णु शंकर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा इस सीरीज में सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, कृतिका कामरा, तिलोत्तमा शोम, रजत कपूर और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'सारे जहां से अच्छा' का निर्देशन सुमित पुरोहित ने किया है। सीरीज में परमाणु खतरे को नाकाम करने के मिशन को दिखाया जाएगा।

बागी4 में हुई सोनम बाजवा की एंट्री मेगा डांस नंबर से मचाएंगी तहलका

साजिद नाडियाडवाला निर्मित बागी फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी बागी 4 का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। हाल ही में, अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया था और अब फिल्म की हीरोइन से जुड़ा भी एक अपडेट सामने आ गया है जो फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज लाने वाली हैं।

बागी और बागी 2 में टाइगर श्रॉफ के अपोजिट लीड रोल में श्रद्धा कपूर और दिशा पाटनी ने काम किया था। तीसरी फिल्म में भी श्रद्धा के साथ टाइगर की जोड़ी जमी थी। अब चौथी फिल्म में एक पंजाबी एक्ट्रेस की एंट्री हुई है।

यह एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि पंजाबी फिल्मों की चर्चित हसीना सोनम बाजवा हैं। हाउसफुल 5 में धमाल मचा चुकीं सोनम के पास बॉलीवुड फिल्मों की लाइन लग गई है, इनमें से एक बागी 4 भी है। वह पहली बार टाइगर के साथ बड़े पर्दे पर अपना हुस्न का जलवा दिखाने जा रही हैं।

सबसे दिलचस्प अपडेट यह है कि सोनम बाजवा का बागी 4 में एक डांस नंबर होगा जिसके लिए उन्हें मास्टर गणेश आचार्य से ट्रेनिंग मिली है। जी हां, हाल ही में सोनम ने रिवील किया है कि वह फिल्म में एक डांस नंबर करने जा रही हैं, वो भी गणेश आचार्य के साथ। वो उन्हें कोरियोग्राफ कर रहे हैं। यह उनके बचपन का सपना था जो अब पूरा होने जा रहा है।

खबरों की मानें तो सोनम बाजवा के यह डांस नंबर मुंबई में 3 दिनों तक एक भव्य सेट पर शूट किया गया है और ये गाना सिर्फ गाना नहीं, बल्कि आंखों के लिए एक विजुअल ट्रीट बनने वाला है। इस अपडेट के बाद साफ हो गया है कि वह अपने डांस मूव्स से धमाल मचाने वाली हैं। फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी महीने फिल्म का टीजर रिलीज हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

नई पीढ़ी के बच्चे मुझे देखते ही अब्यूसर अंकल बुलाते हैं : शान

सिंगर शान अपने गाए गानों के लिए तो फेमस हैं ही लेकिन अब वो अपने गाली-गलौच की आदत से जाने जाते हैं। ऐसा हम नहीं बल्कि खुद शान का मानना है। उनका कहना है कि जेर्नं उन्हें अब्यूसर अंकल कहती है। लॉकडाउन के दिनों में, जब सब लोग लगातार सोशल मीडिया पर स्क्रोल कर रहे थे, उसी समय शान की इंस्टाग्राम लाइव का एक पल बहुत वायरल हो गया। लेकिन जिस तरह से उन्होंने सोचा था, वैसा नहीं हुआ। फैंस के साथ एक आम बातचीत अचानक ऐसा मीम बन गई, जो आज तक उनका पीछा करता है। शान ने बताया कि ये मशहूर क्लिप कैसे बनी। उन्होंने कहा- मैं कमेंट्स पढ़ रहा था, और मैंने अपनी ऐनक नहीं पहनी थी। मुझे ये नहीं पता था कि लोग कमेंट्स में एक-दूसरे को गालियां भी देते हैं। जब मैं कमेंट्स पढ़ रहा था, तो एक में लिखा था, 'अबे ए #@$&'। मैंने वो पढ़ दिया, और किसी ने उसका स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ली, जिससे वो मीम बन गया। इंटरनेट ने इस क्लिप को हाथों-हाथ ले लिया और शान ट्रेंड करने लगे। लेकिन अपनी आवाज के लिए नहीं, बल्कि उस एक पल के लिए। शान कहते हैं- अब वो मीम मेरी पहचान बन गई है। आजकल के बच्चे और यंग मिलेनियल्स मुझे गायक के तौर पर नहीं, बल्कि उस गाली वाले मीम से जानते हैं। यहां तक कि मेरे बच्चों के दोस्त भी जब मुझे देखते हैं तो हैरान हो जाते हैं और पूछते हैं — अरे, ये तुम्हारे पापा हैं? जब उन्हें बताया जाता है कि हां, ये सिंगर शान हैं, तो वे मानते नहीं, और वो मीम दिखाते हैं। असल में इस मीम की शुरुआत शान की लाइवस्ट्रीम पर ट्रोल्स की गंदी भाषा से हुई थी। इससे परेशान होकर शान ने सबको संबोधित किया और कहा- ये सब बोलना बंद करो यार, क्या है ये? तमीज से बात करेंगे, गाली-गलौच मत करो। इससे तुम्हारा असली रंग पता चलता है। बात तब और बढ़ गई, जब किसी ने कमेंट में पूछा कि वो कौन हैं। शान ने जवाब दिया- अपने मां-बाप से पूछो कि मैं कौन हूं, अपने टीचर्स से पूछो। मैंने गाने कम भी गाए हों, कम फेमस भी हूं, फिर भी मुझे खुद को बताने की जरूरत नहीं है।

इस जंगली पेड़ का तना तक नहीं बचता देखते ही कुल्हाड़ी लेकर टूट पड़ते हैं लोग

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक ऐसा जंगली पेड़ भी पाया जाता है, जिसे लोग बड़े चाव से खाते हैं। दरअसल जिले के जंगलों में खजूरी या खजरी नाम के पेड़ पाए जाते हैं। बरसात के मौसम में इसमें फल भी पकते हैं। हालांकि इसमें कांटे भी होते हैं लेकिन फिर भी यहां इस पेड़ के तने को फल के तौर पर खाया जाता है। साथ ही इसकी सब्जी भी बनाई जाती है, जो काफी स्वादिष्ट होती है। ग्रामीण बताते हैं कि यहां पर खजूरी के पेड़ खूब पाए जाते हैं, जिन्हें क्षेत्रीय भाषा में खजरी के नाम से जाना जाता है। बरसात के मौसम में इसमें फल भी पकने शुरू हो जाते हैं, जिसे लोग खूब पसंद करते हैं। इस कांटेदार पेड़ का फल ही नहीं खाया जाता है बल्कि इसका तना भी फल के तौर पर खाया जाता है। वैसे तो पूरे साल आपको छतरपुर जिले में खजूरी के पेड़ दिख जाएंगे लेकिन बरसात के मौसम में इस पेड़ की मांग ज्यादा हो जाती है क्योंकि इस मौसम में छोटी-छोटी खजूरी के पेड़ ज्यादा देखने को मिल जाते हैं और इन्हीं छोटी खजूरी के तने को फल के तौर पर खाया जाता है। लोग इसे देखते ही कुल्हाड़ी लेकर टूट पड़ते हैं। ग्रामीण बताते हैं कि खजूरी पेड़ के तने को निकालने में बहुत मेहनत लगती है। पहले इसके कांटों को धीरे-धीरे छांटना होता है और फिर इसके तने को छांटा जाता है। तब जाकर खाने वाला हिस्सा निकलता है। कड़ी मेहनत और रिस्क के बाद इस पेड़ का खाने वाला हिस्सा मिल पाता है। ग्रामीण बताते हैं कि इसके तने का जो स्वाद होता है, वो बिल्कुल कच्चे नारियल की तरह ही होता है। बरसात का सीजन है, तो इस सीजन में इसका स्वाद सबको भाता है। बच्चों से लेकर युवा और बुजुर्ग तक इसको खाना पसंद करते हैं।

अजब-गजब | ये कंपनी 60 से 94 वर्ष की महिलाओं को दे रही है किराये पर

यहां किराये पर मिलती हैं दादी-नानी

आजकल संयुक्त परिवार घटने लगे हैं। लोग अपने दादा-दादी या नाना-नानी से दूर होते जा रहे हैं। इस वजह से वो अकेलेपन की जिंदगी बिता रहे हैं। बड़े-बुजुर्गों के साथ से घर तो भरा ही रहता है, साथ ही इंसान कई अलग-अलग प्रकार के अनुभवों को भी सीख लेता है जो उसकी जिंदगी के लिए बेहद जरूरी होते हैं। जापान में जो लोग नहीं सीख पाते, उनके लिए एक कंपनी ने खास सेवा शुरू की है। यहां पर अब लोग दादी-नानी को किराये पर ले सकते हैं।

क्या आपने कभी चाहा है कि आपकी परेशानियों को कोई समझदार व्यक्ति सुने, आपको सलाह दे या आपके लिए एक स्वादिष्ट घर का बना खाना तैयार करे? जापान में अब यह मुमकिन है। जापान की क्लायंट सर्विसेज नाम की एक कंपनी OK Grandma नाम की एक अनूठी सेवा प्रदान करती है, जिसमें 60 से 94 वर्ष की उम्र की महिलाओं को किराए पर लिया जा सकता है। OK Grandma सेवा 2012 में शुरू की गई थी और आज भी यह कंपनी की सबसे लोकप्रिय सेवाओं में से एक है। सेवा की शुरुआती फीस प्रति घंटे 3,300 येन (लगभग1,800) है, जिसमें परिवहन शुल्क और अन्य खर्च

अलग से होते हैं।

कंपनी के अनुसार, ये दादियां न केवल उम्र में बड़ी हैं, बल्कि अनुभव में भी अमूल्य हैं। उनके पास घर के काम, बच्चों की देखभाल, पारंपरिक खाना बनाने और जीवन की समझ जैसी अनेक योग्यताएं हैं। वे सिर्फ सेवा देने नहीं आतीं, बल्कि जीवन की ठंडी छांव और अपनापन भी साथ लाती हैं। ग्राहकों को सिर्फ अपनी ज़रूरतें बतानी होती हैं, जैसे कि किसी को खाना बनाना सिखाना है, किसी को अकेलापन महसूस हो रहा है या किसी भावनात्मक समस्या में मार्गदर्शन चाहिए और कंपनी उपयुक्त दादी को उनके पास भेज देती है। कुछ ग्राहकों ने इस सेवा का उपयोग असामान्य तरीकों से किया है। एक व्यक्ति ने बताया, मैं अपने बॉयफ्रेंड से ब्रेकअप करना चाहती थी, लेकिन अकेले हिम्मत नहीं हो रही थी, इसलिए मैंने एक दादी को साथ चलने के लिए बुलाया। वहीं एक अन्य ने कहा, मेरी शादी में रिश्तेदार कम थे, तो मैंने एक दादी को परिवार की सदस्य के रूप में आमंत्रित किया। OK Grandma सेवा में शामिल दादियां सिर्फ खाना बनाना या घर साफ़ करना ही नहीं जानतीं, कई तो बेहतरीन सलाहकार भी हैं। जीवन के अनुभवों से सीख कर, वे आज के युवा को रिश्तों, करियर या मानसिक तनाव से निपटने की सलाह देती हैं। कई दादियां बेहतरीन हैंडराइटिंग में भी माहिर हैं, जो उन्हें पारंपरिक जापानी संस्कृतियों के समारोहों में विशेष बनाती हैं।

कन्हैयालाल के परिवार को कब मिलेगा न्याय : गहलोत

पूर्व सीएम ने गृहमंत्री पर उठाए सवाल

» कांग्रेस नेता बोले- एनआईए अब तक गवाहों के बयान भी नहीं करवा पाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। उदयपुर के कन्हैयालाल मर्डर को लेकर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर सवाल उठाए। शाह आज जयपुर दौरे पर आए थे। शाह के कार्यक्रम की शुरुआत से पहले गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कन्हैयालाल मर्डर की जांच में हो रही देरी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल का मर्डर ऐसी घटना थी, जिसने पूरे देश को हिला के रख दिया था लेकिन हमने चार घंटे में ही दोनों मुलजिम पकड़ लिए। पकड़े गए दोनों आरोपियों के संबंध बीजेपी से ही निकले। इसके बाद भी केंद्र में बैठी बीजेपी की सरकार ने इस केस को एनआईए को दे दिया।

गहलोत ने कहा कि हमने इस पर भी कोई ऐतराज नहीं किया लेकिन आज घटना को 3 साल हो गए हैं लेकिन कन्हैयालाल के परिजनों को इंसाफ नहीं मिला। एनआईए कोर्ट खाली पड़ा है, वहां जज ही नहीं बैठते। यहां तक कि एनआईए आज तक आरोपियों के बयान तक नहीं करवा पाई है।

राजस्थान की एसओजी, एटीएस इसे देखती तो अब तक हो जाती सजा

अब मैं पूछना चाहता हूं अमित शाह जी से कृपा करके आप राजस्थान पधारे हैं आपका स्वागत है पर कम से कम आज मीटिंगों में प्रदेशवासियों को जवाब दें कि इन लोगों को अब तक सजा क्यों नहीं हुई? उन्होंने कहा कि अगर राजस्थान सरकार की एसओजी, एटीएस इसे देखती तो हो सकता है कि इन्हें सजा हो जाती। गहलोत ने अलवर में दलित युवक को नग्न कर उसकी पिटाई किए जाने के मामले में भी बात की।

पूरी भाजपा ने राजस्थान में झूठ फैलाया

गहलोत ने कहा कि पूरी भाजपा ने राजस्थान में 5 से 50 लाख मुआवजे का झूठ फैलाया और हमारी सरकार जाने के सबसे बड़े कारणों में यह झूठ शामिल रहा। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री को जयपुर में प्रदेश की जनता को जवाब देना चाहिए कि आखिर कन्हैयालाल के परिवार को कब तक न्याय के लिए इंतजार करना पड़ेगा? उन्होंने कहा कि क्या भाजपा इस केस के पर केवल राजनीति ही करेगी? उनका न्याय से कोई वास्ता नहीं है।

अपराधियों को भाजपा में किया जा रहा शामिल : राउत

» शिवसेना यूबीटी नेता बोले- राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र विधान भवन में हुई हाथापाई के मामले में भाजपा की आलोचना की और आरोप लगाया कि गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को पाटी में शामिल किया जा रहा है। राउत ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अपनी सरकार को भंग कर देना चाहिए और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना चाहिए। भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थकों के बीच बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र विधान भवन परिसर में हाथापाई हो गई थी।

दोनों समूहों के एक-दूसरे पर हमला करने और सुरक्षाकर्मियों द्वारा उन्हें पीछे खींचने के वीडियो सोशल मीडिया पर आए हैं। उन्होंने पूछा, क्या यही आरएसएस और भाजपा की संस्कृति है? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को पार्टी में शामिल करना पार्टी की संस्कृति के अनुकूल है? उन्होंने कहा, शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा)का मानना है कि राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होना चाहिए। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण, दुखद या चौंकाने वाला है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति के लिए शर्मनाक भी है। राज्यसभा सांसद ने फडणवीस की आलोचना की और उन्हें राज्य की राजनीतिक संस्कृति की गरिमा बनाए रखने के उनके वादे की याद दिलाई। उन्होंने कहा, हर दिन महाराष्ट्र की छवि पर एक नया धब्बा लग रहा है। चाहे वह भ्रष्टाचार हो, अनैतिक व्यवहार हो या मोहपाश (हनीट्रैप) हो, विधायक द्वारा हमला हो या मंत्रियों के वीडियो हों।

विधान भवन में गैंगवार हो रहे हैं

राउत ने कहा, यह विधान भवन में एक गैंगवार था। हत्या, डकैती जैसे गंभीर अपराधों में शामिल या महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत आरोपों का सामना कर रहे लोग वहां मौजूद थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को रोजाना भाजपा में शामिल किया जा रहा है।

पीडीपी-भाजपा अब भी गठबंधन में

» डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार चौधरी बोले- जनता के सामने रचा जा रहा है नाटक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार चौधरी ने पंपोर में आयोजित एक स्टार्टअप और उद्यमिता कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने युवाओं को रोजगार से जुड़ी योजनाओं के बारे में जानकारी दी और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए ई-डीपीआर सेवा की शुरुआत की। कार्यक्रम में कोर्स पूरा करने वाले युवाओं को सर्टिफिकेट भी दिए गए।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए और पीडीपी को मौजूदा स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दावा किया किपीडीपी और भाजपा अब भी गठबंधन में हैं और जनता को भ्रमित कर रहे हैं।

रोकी गयी अमरनाथ यात्रा

वहीं प्रशासन ने बताया कि मौसम खराब होने के कारण अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के यात्री निवास से जत्था नहीं जाएगा। अब श्रद्धालु मौसम अनुकूल होने पर यहां से रवाना होंगे। इससे पहले 15 जत्थों को सफलता पूर्वक प्रशासन की ओर से रवाना किया गया है।, पहलगाम और बालटाल दोनों बेस शिविरों से श्री अमरनाथजी यात्रा आज के लिए स्थगित कर दी गई है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण, रास्तों पर तत्काल मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जाने की आवश्यकता है। इसलिए, यह निर्णय लिया गया है कि आज दोनों बेस शिविरों से पवित्र गुफा की ओर किसी भी प्रकार की आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, पिछली रात पंचतरणी शिविर में रुके यात्रियों को सीमा सड़क संगठन और पर्वतीय बचाव दलों की पर्याप्त तैनाती के तहत बालटाल की ओर जाने की अनुमति दी जा रही है।

बिहार में दबाई जा रही हैं आवाजें: तुषार

» महात्मा गांधी के प्रपौत्र ने बिहार सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया। बदलो बिहार, बनाओ नई सरकार अभियान के तहत महात्मा गांधी के प्रपौत्र एवं सामाजिक कार्यकर्ता तुषार गांधी सोमवार को पूर्णिया पहुंचे। तुषार गांधी ने कहा कि, बिहार में गांधी और जयप्रकाश नारायण की विरासत का दावा करने वाली सरकार आज चुप है। तुरकौलिया की घटना पर मुख्यमंत्री की खामोशी इस बात का संकेत है कि वे लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी की मूल भावना से भटक चुके हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए खुद आगे आएं और बोलने की आजादी पर हो रहे हमलों का जवाब चुनाव के माध्यम से दें।

कांग्रेस विधायक शकील अहमद ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, पिछले 20 वर्षों में बिहार में बेरोजगारी, पलायन, गरीबी और शिक्षा के क्षेत्र में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है। अब समय आ गया है कि जनता सरकार को बदले। उन्होंने बदलो बिहार, बनाओ नई सरकार अभियान को पूर्ण समर्थन देने की बात कही। किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉ. सुनीलम ने कहा कि, ÷प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन सर्वे से साफ है कि किसानों की वास्तविक आय घटी है। एमएसपी की कानूनी गारंटी, कर्ज़ माफी, मंडी व्यवस्था की बहाली और जबरन भूमि अधिग्रहण पर रोक जैसे मुद्दे आज भी किसानों के लिए प्रमुख हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बिहार चुनाव में इंडिया गठबंधन इन मुद्दों को अपने घोषणापत्र (मेनिफेस्टो) में शामिल करेगा।

बिहार को संघी ताकतों से बचाना जरूरी

तुषार गांधी ने कहा कि कहा कि हम बिहार को संघी ताकतों से बचाना चाहते हैं। हमारा विरोध बीजेपी और आरएसएस से है। जो उनके साथ जाएगा, हम उसका भी विरोध करेंगे। इसी कारण हम महागठबंधन के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 20 वर्षों की सरकार में इमारतें और चौड़ी सड़कें जरूर बनी हैं, लेकिन जनता की मूल समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। चंपारण से शुरू इस यात्रा के दौरान जहां-जहां वे पहुंचे, वहां लोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसी कई समस्याएं बताईं। इस नौके पर शंभु शरण भारतीय, रामकृष्ण यादव, राजेंद्र प्रसाद यादव, महेंद्र यादव, संदीप यादव, हर्षवर्धन सिंह राठौर, निशांत यादव समेत कई लोग उपस्थित थे।

चौथे टेस्ट की तैयारियों में जुटा भारत

» खिलाड़ियों ने नेट में किया अभ्यास, पंत और बुमराह के खेलने की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेकेनहैम। इंग्लैंड में लॉर्ड्स टेस्ट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने जमकर नेट अभ्यास किया। भारत और इंग्लैंड के बीच अब 23 जुलाई से मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत फिलहाल इस सीरीज में 1-2 से पीछे चल रहा है और उसकी नजरें सीरीज में बराबरी हासिल करने पर टिकी होंगी।

लंदन से एक घंटे की यात्रा के बाद टीम बस से उतरते समय भारतीय खिलाड़ी थके हुए लग रहे थे लेकिन बेकेनहैम माहौल ने उनका मनोबल तुरंत बढ़ा दिया।

ड्रेसिंग रूम में बज रहे विविध संगीत ने खिलाड़ियों को सहज महसूस कराया जिसमें हनुमान चालीसा, अंग्रेजी पॉप से लेकर लोकप्रिय पंजाबी गाने तक शामिल थे। पंत और बुमराह दोनों ने केवल वार्म-अप किया और जिम में भी कुछ समय बिताया। मालूम हो कि पंत अंगुली की चोट से उबर रहे हैं लेकिन मैनचेस्टर मैच के लिए उनके पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। दूसरी ओर कार्यभार प्रबंधन के तहत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने भी गेंदबाजी नहीं की। यह देखना होगा कि सीरीज के अगले टेस्ट में दोनों में से किसी को आराम दिया जाता है या नहीं। हलांकि बुमराह को मैनचेस्टर में आराम देना भारतीय टीम के लिए खतरे की घंटी हो सकता है। यहां हारने पर भारतीय टीम के हाथ से सीरीज जाएगी। सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने कहा कि हमारा झुकाव यहां बुमराह को उतारने पर है। हालांकि उन्हें खिलाने पर फैसला अंतिम क्षणों में लिया जाएगा।

अभ्यास सत्र में अर्शदीप सिंह हुए चोटिल

अभ्यास सत्र के दौरान अर्शदीप सिंह चोटिल हो गए। गेंदबाजी के दौरान साई सुदर्शन का शॉट रोकने के प्रयास में वह अपना हाथ चोटिल करा बैठे। टेन डोशेट ने कहा, साई के शॉट को रोकने के प्रयास में उनके हाथ में कट लगा है। हमें देखना है कि यह कट कितना जोखिम भरा है। उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया है। आगे की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण यह है कि उन्हें टांके लगते हैं या नहीं। अर्शदीप के गेंदबाजी से हटने के बाद गेंदबाजी कोच मार्ने मॉर्कल को भी गेंदबाजी करनी पड़ी।

छत्तीगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर ईडी की नकेल

महाराष्ट्र में नवाब मलिक, दिल्ली में मनीष सिसोदिया, झारखंड में हेमंत सोरेन और अब छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल पर कार्रवाई

» क्या राहुल गांधी के करीबी होने की सजा मिल रही है?

» कल ही राहुल गांधी के पक्ष में बोले थे भूपेश आज पड़ गया छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज सुबह जब छत्तीसगढ़ नींद से जागा तो भिलाई में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर पर ईडी की छापेमारी शुरू हो चुकी थी। आज की रेड में सीआरपीएफ के जवानों को भी शामिल थे। बघेल ने ईडी के आज की इस कार्रवाई की सूचना स्वंय अपने सोशल मीडिया हैंडलर के जरिये उपलब्ध कराई हैं।

उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र का आज आखिरी दिन है और आज अडानी के लिए तमनार में काटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा उठना था। बघेल ने आरोप लगाया कि इसी वजह से साहेब ने ईडी को भेजा है। पहले भी मार्च 2025 में बघेल के घर पर ईडी ने छापा मारा था।

बेटे के ठिकानों पर भी लंबी चली कार्रवाई

शराब घोटाले के मामले में ईडी पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के ठिकानों पर भी छापेमारी कर रही है। उनके बेटे का नाम चैतन्य बघेल है और पूर्व में भी उनके ठिकानों पर ईडी सर्च कर चुकी है। एक बार फिर एक साथ बाप–बेटे को निशाना बनाया गया है।

हमारे पास सिर्फ स्त्रीधन और पशुधन : भूपेश बघेल

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि उनका परिवार मिलकर खेतीबाड़ी करता है और उनके पास 140 बीघ जमीन है। बाकी का जो पैसा है वह घर की बहू बेटियों को उपहार स्वरूप मिला है। उन्होंने बताया कि उनके पास वही सब कुछ है जो उन्होंने घोषित किया है। ईडी ने इसकी जांच की थी। बघेल ने यह भी बताया था कि अलग-अलग लोगों से 33 लाख रुपए नकद मिले थे। यह पैसा उनकी पत्नी, बेटे, बहू और बेटियों से मिला था। उन्होंने कहा था कि वे खेती और डेयरी का काम करते हैं। इसमें स्त्रीधन भी शामिल है। स्त्रीधन का मतलब है वह संपति जो एक महिला को शादी के समय मिलती है। मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए बघेल ने कहा कि अडानी से जुड़ा एक मामला सामने आया है। उन्हें खुश करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने मेरे आवास पर ईडी भेजा है। हम डरेंगे नहीं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, भूपेश बघेल न टूटेगा न झुकेगा। हम उनके सामने नहीं झुकेंगे। वे देश के सभी विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहे हैं। इससे पहले, बघेल ने एक्स पर छापों की पुष्टि करते हुए लिखा, ईडी आ गई।फ उन्होंने लिखा, विधानसभा सत्र के आखिरी दिन ईडी उनके घर आई थी, जब रायगढ़ जिले की तमनार तहसील में अडानी समूह की कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठाया जाना था।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने राज्य में कथित करोड़ों रुपये के शराब घोटाले की चल रही जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह गिरफ्तारी ईडी की जांच में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, जो पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान राज्य के शराब व्यापार से जुड़ी एक बड़ी भ्रष्टाचार योजना में कथित रूप से शामिल अधिकारियों और सहयोगियों के नेटवर्क को निशाना बना रही है।वहीं, भूपेश बघेल ने शुक्रवार को अपने आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बीच देश में विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए मोदी सरकार पर निशाना साधा। संघीय जांच एजेंसी ने दुर्ग जिले के भिलाई शहर में बघेल के घर पर उनके बेटे चैतन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच से जुड़े कथित शराब घोटाले के सिलसिले में फिर से छापेमारी की। कांग्रेस नेता ने कहा कि ईडी पहले भी आई थी। उन्हें मेरे घर से 33 लाख रुपये मिले थे। अब वे फिर से आए हैं... हम पूरा सहयोग करेंगे क्योंकि हम लोकतंत्र और न्यायपालिका में विश्वास करते हैं। वे (भाजपा) एजेंसी का दुरुपयोग कर रहे हैं, लेकिन हम उनका सहयोग करेंगे।

बेटे को ईडी ने किया गिरफ्तार

भाजपा के खिलाफ मुखर रहे पूर्व सीएम

पिछड़े वर्ग को राहुल गांधी के साथ खड़ा होना चाहिए। राहुल गांधी ने हमेशा जाति जनगणना की वकालत की है। जल जीवन मिशन को लेकर सदन में भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम अरूण साव के बीच हुई थी तीखी नोकझोक। साय सरकार पुरानी योजनाओं को कर रही लागू, संकट में किसान। छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था चरमराई गयी है। भूपेश बघेल ने भाजपा पर वार करते हुए कहा कि जब वाराणसी का यह हाल है तो देश में क्या होगा।

ईडी की टाइमिंग पर सवाल: यूपी में पीडीए और देश में संविधान की लाल किताब जेब में लेकर घूम रहे राहुल गांधी पिछड़ी जातियों को अपने साथ जोड़ना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव में ऐसा हुआ भी। बीजेपी अभी तक इंडिया गठबंधन के इस फार्मूले की काट नहीं निकाल पाई है। गुरूवार यानि कि कल ही भूपेश बघेल ने बयान दिया था कि पिछड़ी जातियों को राहुल गांधी के साथ आना चाहिए। आज छापा पड़ गया। भूपेश कांग्रेस के पिछड़े नेताओं का चमकीला चेहरा है। भूपेश के मुख्यमत्रित्व काल में उनकी छवि एक ज़मीनी नेता ओबीसी चेहरे और छत्तीसगढ़ी अस्मिता को बढ़ावा देने वाले नेता के तौर पर बनी है। उन्होंने गौधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना जैसी नीतियों के ज़रिए ग्रामीण और किसान समाज में गहरी पैठ बनाई। उनकी छवि राहुल गांधी के सबसे विश्वस्त मुख्यमत्रियों में से एक की रही है, जिन्होंने ना सिर्फ कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को ज़ोरदार समर्थन दिया बल्कि बीजेपी के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बरक्स सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय अस्मिता को आगे रखा।

चुनावी मौसम में होगी जुमलों की बरसात: तेजस्वी यादव

» पीएम के बिहार दौरे पर गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पीएम मोदी आज बिहार के दौरे पर है। वह वहां कई योजनाओं का आगाज करेंगे। इससे पहले विपक्ष ने भाजपा व पीम मोदी पर जमकर हमला बोला है।नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा भी चुनाव आने वाले हैं अब जुमलो की जमकर बरसात होगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री बिहार सरकार के खिलाफ जमकर बरसे।अब लोग आकर जुमलों की करेंगे बरसात।

बारिश के बीच ही सभा को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अभी बरसात का समय है और चुनाव का भी। अब लोग आकर जुमलों की बरसात करेंगे। बच्चा पैदा होकर जवान हो गया, तब से आज तक सरकार टिकी हुई है। कोसी क्षेत्र के लोगों का सबसे ब?ा दुश्मन गरीबी और पलायन है। लेकिन इस पर कोई काम नहीं हो रहा है। कहा कि एनडीए के लोग हमें परिवारवादी कहते हैं, लेकिन वर्तमान सरकार में 50 फीसदी मंत्री परिवारवाद से हैं।

हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति या पार्टी से नहीं उनकी विचारधारा से है, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पलायन से है। सरकार 15 साल पुरानी गाड़ी को हटा देती है। लेकिन बिहार में 20 साल से मुख्यमंत्री बने हुए हैं। हम उसे क्यों रहने दें? पूर्व मंत्री स्व बैद्यनाथ मेहता के पुण्यतिथि पर राजद नेता सह पूर्व लोकसभा प्रत्याशी बैद्यनाथ मेहता की अध्यक्षता में आयोजित रैली में मंच पर मुख्य रूप से मुख्य अतिथि तेजस्वी यादव के साथ साथ राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल, पूर्व मंत्री रेणु कुशवाहा, आलोक मेहता, ललित यादव, विधायक चंद्रहास चौपाल, पूर्व विधायक यदुवंश कुमार यादव, राजद जिलाध्यक्ष संतोष सरदार, जिला महामंत्री पूर्व प्रमुख भूप नारायण यादव, राजद युवा जिलाध्यक्ष लव यादव, सहित अन्य मौजूद थे।

एनडीए में 50 फीसदी मंत्री परिवारवाद से ही निकले हैं

उन्होंने सत्ता पक्ष के द्वारा राजद पर परिवारवाद कहने पर पलटवार करते हुए कहा कि एनडीए वाले हमें परिवारवादी कहते हैं। उनकी सरकार के 50 फीसदी मंत्री परिवारवाद से ही निकले हैं। सरकार गाड़ी को 15 साल में हटा देती है, लेकिन मुख्यमंत्री 20 साल से जमे हैं। सुपौल जिले के राघोपुर प्रखंड अंतर्गत लखीचंद साहू उच्च विद्यालय खेल मैदान में मंगलवार को आयोजित कुशवाहा स्वाभिमान रैली के दौरान बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने संबोधित किया।

क्या आप झूठ सुनना पसंद करेंगे : लालू यादव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को बिहार दौरे से पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री राज्य में झूठ बोलने आ रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि झूठ बोलने आज बिहार आ रहे है प्रधानमंत्री मोदी। क्या आप झूठ सुनना पसंद करेंगे? प्रधानमंत्री आज बिहार के मोतिहारी का दौरा करेंगे, जहाँ वे 7,200 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। लालू यादव के ट्वीट पर जदयू नेता नीरज कुमार ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को राजनीतिक रूप से घर में नज़रबंद कर दिया गया है, वह खुलेआम ट्वीट करता दिख रहा है... आपके ट्वीट के कारण लोगों ने आपको छोड़ दिया है। क्या आपको इसका एहसास नहीं है, लालू यादव? जब चुनाव होंगे, तो तेजस्वी यादव आपको बाहर नहीं जाने देंगे।

वाड्रा के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण और राजनीति से प्रेरित हो रही कार्रवाई: राहुल गांधी

» बोले नेता प्रतिपक्ष- उनके साथ खड़ा हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे से जुड़े धन शोधन के मामले में रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने को शुक्रवार को दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई करार दिया और कहा कि वह अपने बहनोई और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आखिरकार सत्य की जीत होगी।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मेरे बहनोई को पिछले 10 वर्षों से इस सरकार द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। यह नवीनतम आरोपपत्र उसी की अगली कड़ी है। उन्होंने कहा, मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ खड़ा हूं क्योंकि वे दुर्भावनापूर्ण, राजनीति से प्रेरित बदनामी और उत्पीड़न के एक और हमले का सामना कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, मैं जानता हूं कि वे सभी किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करने का साहस रखते हैं और वे सम्मान के साथ ऐसा करना जारी रखेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि आखिरकार सत्य की विजय होगी।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के लिए पीएम मोदी को लिखा पत्र

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर संसद के मानसून सत्र में एक विधेयक लाकर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की। उन्होंने केंद्र से लद्दाख के लोगों की सांस्कृतिक, विकासात्मक और राजनीतिक आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके अधिकारों, भूमि और पहचान की रक्षा करने के लिए छठी अनुसूची के तहत केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संवैधानिक सुरक्षा प्रदान करने का भी आग्रह किया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटनाक्रम का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हम उस दिन का इंतज़ार कर रहे थे जब विपक्ष संसद में अपनी आवाज़ उठाएगा। अब्दुल्ला ने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करना कोई असामान्य मांग नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि केंद्र ने संसद के अंदर और बाहर, सुप्रीम कोर्ट में और सार्वजनिक मंचों पर बार-बार वादा किया है कि वह उचित समय पर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करेगा।

बारिश से यूपी में सात लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बारिश से हालात बिगड़ रहे हैं। इसके चलते अलग-अलग स्थानों पर सात लोगों की मौत हो गई। इनमें प्रयागराज में चार, बांदा में दो और कानपुर में एक व्यक्ति शामिल है।

प्रयागराज में 91 एमएम से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। दिन में गंगा का जलस्तर घटता बढ़ता रहा, जबकि यमुना का जलस्तर स्थिर रहा। गंगा और यमुना की तेज लहरों से जहां कई नावें डूब गईं, वहीं काफी नावें बहाव के साथ काफी दूर चली गईं। इसके नाविकों का काफी नुकसान हुआ है। मिर्जापुर में दो दिनों से भारी बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। पहाड़ी नालों और नदियों में उफान आने से बंधों के फाटक खोलने पड़े।

हाईकोर्ट ने तबलीगी जमात पर दर्ज 16 एफआईआर रद्द की

» कोरोना फैलाने समेत अन्य धाराओं में 70 लोगों पर दर्ज थी प्राथमिकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने कोविड 19 महामारी के दौरान मार्च 2020 में तब्लीगी जमात के कार्यक्रम में विदेशी लोगों की मेजबानी करने के लिए 70 भारतीय नागरिकों के खिलाफ दर्ज 16 मामलों को खारिज कर दिया न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने फैसला सुनाते हुए आरोपों को रद्द कर दिया। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि चार्जशीट में कोविड-19 संक्रमण का कोई प्रमाण नहीं है और आरोप निराधार हैं।

अदालत ने 70 भारतीयों से संबंधित 16 याचिकाओं पर यह फैसला सुनाया। इन सभा याचिकाओं का एडवोकेट आशिमा मंडला ने किया था तथा उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की अपील की थी।मार्च 2020 में जब तब्लीगी जमात का कार्यक्रम आयोजित किया गया था, तब दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखी जा रही थी। उस दौरान जब कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की कोविड-19 जांच की गई, तो उनमें से कई लोग संक्रमित पाए गए थे। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी के तहत महामारी रोग अधिनियम, आपदा प्रबंधन अधिनियम और विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन करने के मामला दर्ज किया था। इसके बाद उच्च न्यायालय में केस को खारिज करने के लिए 16 याचिका दाखिल की गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।